QP – 059

34

III Semester B.Com. Examination, March/April 2022
(F+R) (CBCS Scheme) (2019-20 and Onwards)
Paper – III : LANGUAGE HINDI
Natak, Sarkari Patra Aur Sankshepan

St Claret College
LIBRARY
Bangalore-560013

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए : **(10×1=10)**

1) उज्जयिनी की राज-सभा का प्रत्येक व्यक्ति किन्हें जानते हैं ?

2) मल्लिका की माँ कौन थी ?

3) दंतुल कौन था ?

4) कालिदास किस रचना के लिए प्रसिद्ध हुआ था ?

5) रंगीणी और संगीनी क्यों आये थे ?

6) अनुस्वार और अनुनासिक कौन हैं ?

7) ''आषाढ़ का एक दिन'' नाटक के रचनाकार कौन है ?

8) कालिदास की पत्नी का नाम क्या है ?

9) ''कुमारसंभव'' की तपस्विनी उमा कौन है ?

10) मल्लिका की बच्ची की आँखे किससे मिलती थी ?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **(2×6=12)**

1) ''मैं रो नहीं रही हूँ माँ ! मेरी आँखों से बरस रहा है, यह दु:ख नहीं है । यह सुख है माँ सुख ... । ''

2) मैंने इसे पाला-पोसा, बड़ा किया । क्या इसी दिन के लिए कि यह इस तरह कुल-द्रोही बने ।

3) ''मुझे खेद है मैंने उनके साथ अशिष्टता का व्यवहार किया । मुझे जाकर उनसे क्षमा माँगनी चाहिए । ''

4) ''तुम जिसे भावना कहती हो वह केवल छलना और आत्मप्रवंचना है ।''

P.T.O.

III. ''आषाढ़ का एक दिन'' नाटक के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए । **(1×12=12)**

अथवा

''आषाढ़ का एक दिन'' नाटक का सारांश लिखकर विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

IV. कोई **एक** पर टिप्पणी लिखिए : **(1×6=6)**

1) कालिदास

2) मल्लिका ।

कोई **दो** पत्र लिखिए : **(2×10=20)**

1) श्री मृगेन्द्रदास आई. ए. एस. उपसचिव, भारत सरकार की ओर से ''अनुसंधान छात्रवृत्ति'' केलिए सूचित करते हुए उपकुलपति, कर्नाटक विश्वविद्यालय को एक सामान्य सरकारी पत्र लिखिए ।

2) अमलेन्द्र कुमार, भारत-सरकार, समाज कल्याण-मंत्रालय की ओर से श्री ज्योति भूषण को एक वर्ष की अवधि तक भारत-सरकार की सेवा में रहने केलिए सचिव, भारत-सरकार, गृह मंत्रालय को एक अर्ध-सरकारी पत्र लिखिए ।

3) ललित मोहन, उपनिदेशक, मध्यप्रदेश, उद्योग विभाग से अर्जित छुट्टी स्वीकार करने केलिए ''वर्तिका भारती'' को एक कार्यालय आदेश लिखिए ।

V. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए संक्षिप्तकरण कीजिए : **10**

हमारे देश में जो हाल-हाल तक गुलाम बना रहा, नागरीक स्वतंत्रता का मूल्य समझाना जरा कठिन है । अभी हमारे देश की जनता का ध्यान रोटी, कपड़ा, मकान और रोजगार की ओर गया है । प्राय: लोग यह कहते सुनायी देते है कि हमें इससे मतलब नहीं कि इस देश में किसका शासन है । जनतंत्र है तानाशाही । हमें तो रोटी चाहिए । रोजगार चाहिए, दवा चाहिए । इन आवश्यकताओं को कोई भी पूरा कर दे । जनता की यह मानसिक स्थिति ठीक नहीं । यदि जनता की सूझ-बूझ ऐसा ही रही तो फिर स्वतंत्रता जो असीम बलिदान देकर प्राप्त की गयी है । मिट जायेगी ।